...छात्रों में सीखने की क्षमता को परखने के लिए देशभर में कराए गए सर्वेक्षण में गोरखपुर के 10 वीं के छात्र सबसे होनहार पाए गए हैं।

इस कक्षा के परिणाम में पूरे उत्तर प्रदेश में अपना गोरखपुर 34.4 फीसदी अंकों के साथ 17 वें स्थान पर है। सबसे खराब स्थिति पांचवी के छात्रों की है। इसमें अपना जिला 41.3 फीसदी अंकों के साथ 60 वें स्थान पर है। तीसरी कक्षा के परिणाम में गोरखपुर 46 वें और आठवीं कक्षा के परिणाम में 41 वें स्थान पर है।

प्रदर्शन 10वीं के छात्रों का रहा है। इस परीक्षा में पूरे प्रदेश में अपना गोरखपुर 17वें स्थान पर है। इस कक्षा में औसत प्रदर्शन जहां 37.8 फीसदी है वहीं गोरखपुर का प्रदर्शन 34.4 फीसदी है।

10 वीं के छात्र की स्थिति पहले ही अच्छी थी लेकिन सर्वे के परिणाम के अनुसार दसवीं और आठवीं के बच्चों के मुकाबले तीसरी और पांचवीं के बच्चों में सीखने की क्षमता ज्यादा बेहतर पाई गई है। नेशनल अचीवमेंट सर्वे (एनएएस) 2021 की रिपोर्ट के मुताबिक, ... विषय में भी तीसरी और पांचवीं के बच्चों का प्रदर्शन आठवीं और दसवीं की तुलना में काफी बेहतर रहा है।

डायट गोरखपुर के प्रवक्ता ... बताते हैं कि ...

गोरखपुर में नवम्बर 2021 में नेशनल अचीवमेंट सर्वे के लिए परीक्षा आयोजित हुई थी। इस परीक्षा में यूपी बोर्ड, ... स्कूल और सीबीएसई बोर्ड के 228 स्कूलों के तीसरी, पांचवीं, आठवीं और 10 वीं के करीब 5000 छात्र शामिल थे।

गोरखपुर की प्रदेश में स्थिति : 46 वीं
प्राप्तांक : 54 फीसदी
2017 में स्थिति : प्रदेश में 45 वें स्थान, प्राप्तांक प्रतिशत 57

गोरखपुर की प्रदेश में स्थिति : 60 वीं
प्राप्तांक : 41.3 फीसदी
2017 में स्थिति : प्रदेश में 36 वें स्थान, प्राप्तांक प्रतिशत 51

कक्षा 10
औसत प्रदर्शन 37.8 फीसदी
गोरखपुर की प्रदेश में स्थिति ...
प्राप्तांक 34.4 फीसदी

(16)

आयुष विवि और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के बीच हुआ करार

आयुष मॉडर्न मेडिसिन के समानांतर होगा

- आयुष के प्रति जनजागरण और आयुर्वेद के क्षेत्र में शोध की सभी संभावनाओं पर ही होंगे साझा कार्य
- पूर्वी उत्तर प्रदेश को औषधीय खेती का बड़ा केंद्र बनाने पर भी एमओयू पर हस्ताक्षर

अनुबंध

गोरखपुर, मुख्य संवाददाता। आयुर्वेद समेत समूचे आयुष पद्धति को मॉडर्न मेडिसिन के समानांतर खड़ा करने के मजबूत प्रयास के तहत महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय और महायोगी गोरखनाथ विवि आरोग्यधाम के बीच महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गुरुवार को एमओयू हस्ताक्षरित व हस्तांतरित हुआ। दोनों विश्वविद्यालय आयुर्वेद के सभी क्षेत्रों में शोध की सभी संभावनाओं को आगे बढ़ाने के साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश को औषधीय खेती का बड़ा केंद्र बनाएंगे।

महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विवि के कुलपति प्रो एके सिंह और महायोगी गोरखनाथ विवि के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ।

गुरुवार को महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह और महायोगी गोरखनाथ विवि आरोग्यधाम के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी के बीच एमओयू का आदान प्रदान हुआ। इसके पहले महायोगी गोरखनाथ विवि के कुलसचिव प्रदीप राव एवं आयुष विवि के कुलसचिव राधेश्याम बहादुर सिंह ने एमओयू हस्ताक्षरित किए। दोनों विवि मिलकर गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश में आयुर्वेद समेत आयुष चिकित्सा पद्धति के प्रति जनजागरण का अभियान चलाएंगे। आयुर्वेद के क्षेत्र में शोध व अनुसंधान से समाज को हानिरहित चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने का यत्न करेंगे। दोनों विवि ने औषधीय खेती को बढ़ावा देने के प्रति भी साझी प्रतिबद्धता दर्शायी। आयुष विवि के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि इस करार से गोरखपुर को केंद्र में रख कर पूर्वी उत्तर प्रदेश आयुर्वेद और आयुष का हब बनाने की तैयारी और सुदृढ़ हुई है। महायोगी गोरखनाथ विवि आरोग्यधाम के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि यह पहल आयुर्वेद को मॉडर्न मेडिसिन के समानांतर खड़ा करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

यातायात नियमों को बनाएं जीवनशैली

गोरखपुर। सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की भूमिका जीवन रक्षा कवच जैसी है। यह आपके और आपके परिवार के लिए ही नहीं बल्कि, देश और समाज के लिए भी संजीवनी ... सड़क दुर्घटनाओं ...

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (एसईएंडएल)
टीएसजी-समग्र शिक्षा के लिए प्रोजेक्ट एसोसिएट्स की आवश्यकता

एसईएंडएल विभाग, शिक्षा मंत्रालय की ओर से एडसिल समग्र शिक्षा की केन्द्रीयकृत प्रायोजित योजना के लिए प्रारंभ में एक वर्ष की अवधि के लिए अनुबंध आधार पर प्रोजेक्ट एसोसिएट्स हेतु योग्य उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है।

शैक्षणिक योग्यता, ... आयु, ... विवरण https://edcilindia.co.in/careers पर उपलब्ध है।